इरेडा को लगातार चौथे वर्ष समझौता ज्ञापन निष्पादन के लिए 'उत्कृष्ट' रेटिंग मिली

नई दिल्ली

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादन में लगातार चौथे वर्ष उत्कृष्ट रेटिंग हासिल की है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि इरेडा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ अपने प्रदर्शन समझौता ज्ञापन के लिए 98.24 का प्रभावशाली स्कोर हासिल करते हुए 'उत्कृष्ट' रेटिंग प्राप्त की है। ये लगातार चौथा वर्ष है, जब इरेडा को यह शीर्ष रेटिंग मिली है, जो परिचालन उत्कृष्टता और सुदृढ़ कॉर्पोरेट प्रशासन के प्रति इसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इरेडा ने विगत तीन वित्त वर्षों में लगातार असाधारण परिणाम दिए हैं। संस्था ने वित्त वर्ष 2022-23 में 93.50, वित्त वर्ष 2021-22 में 96.54 और वित्त वर्ष 2020-21 में 96.93 के स्कोर के साथ उत्कृष्ट रेटिंग हासिल की है। यह लगातार उपलब्धियां भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) प्रदीप कुमार दास ने इस उपलब्धि पर कहा, लगातार चौथे वर्ष उत्कृष्ट रेटिंग हासिल करना इरेडा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह संगठन के कर्मचारियों के अथक प्रयासों, हितधारकों के अटूट विश्वास और भारत सरकार के मार्गदर्शन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मैं इस सफलता में योगदान देने वाले सभी लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। हम सब मिलकर देश के हरित ऊर्जा परिवर्तन को गति देने और अपने देश के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने इस उपल्बिध के लिए केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, विद्युत एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, मंत्रालय के सचिव, प्रशांत कुमार सिंह और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं निदेशक मंडल के प्रति उनके समर्थन और अमूल्य मार्गदर्शन के लिए आभार भी व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

वित्त मंत्री सीतारमण से मिले शिवराज सिंह चौहान, आगामी बजट को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण से नॉर्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्रालय में मुलाकात की। इस दौरान चौहान ने आगामी केंद्रीय बजट को लेकर विचार-विमर्श किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान ने नॉर्थ ब्लॉक स्थित वित्त मंत्रालय में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने केंद्रीय बजट 2025-26 को लेकर बातचीत की और सुझाव दिया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि वित्त मंत्री से केंद्रीय बजट में कृषि और ग्रामीण विकास के मुद्दे पर व्यापक चर्चा हुई है। बजट में इन विभागों के लिए क्या-क्या बेहतर हो सकता है, इससे संबंधित सुझाव दिए हैं। चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाले भाई-बहनों से मिले सुझाव हमने वित्त मंत्री के सामने रखे हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी दबाव के बीच सपाट स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र में लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,909.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 377.31 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,487.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 42,533.74 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे सत्र के कारोबार के बाद एफटीएसई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 8,245.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,489.35 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 124.38 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,340.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर बिकवाली का माहौल है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ 2 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,522.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.63 प्रतिशत उछल कर 3,852.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,707.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत फिसल कर 40,056.54 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 310.72 अंक यानी 1.60 प्रतिशत टूट कर 19,136.86 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.48 प्रतिशत लुढ़क कर 3,182.48 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 155.46 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,495.81 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,388.31 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत फिसल कर 7,080.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

जोरदार उठापटक के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी ने की शानदार रिकवरी

बाजार की कमजोरी से निवेशकों को 2.34 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में के कारोबार के दौरान जोरदार उठा पटक होती रही। बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार लगभग एक प्रतिशत तक टूट गया, लेकिन बाद में खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह पीएसई, रियल्टी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, आईटी, टेक और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 439.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.75 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.34 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,066 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,395 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,575 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 96 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,511 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 792 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,719 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 120.34 अंक की मजबूती के साथ 78,319.45 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 712.32 अंक टूट कर 77,486.79 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आने लगी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 650 अंक से अधिक की रिकवरी करके 50.62 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 78,148.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 38.75 अंक की बढ़त के साथ 23,746.65 अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू जाने के कारण ये सूचकांक फिसल कर लाल निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 211.75 लुढ़क कर 23,496.15 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में भी सुधार होने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ने निचले स्तर से करीब 190 अंक की रिकवरी करके 18.95 अंक की गिरावट के साथ 23,688.95 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 2.98 प्रतिशत, टीसीएस 1.99 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.99 प्रतिशत, आईटीसी 1.92 प्रतिशत और एशियाई पेंट्स 1.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, अपोलो हॉस्पिटल 3.95 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 2.55 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.02 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.91 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में महंगी हुई चांदी, सोने में सपाट स्तर पर कारोबार

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना बिना किसी बदलाव के सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना भी 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी मंगलवार के भाव पर यानी 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है।

महिलाओं ने उड़ाये कीमती जेवर

तनिष्क ज्वैलर्स में ग्राहक बनकर आई महिलाओं ने उड़ा दिये कीमती जेवर

लियो ड्राइ फ्रूट्स की स्टॉक मार्केट में शानदार एंट्री 30 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए शेयर

नई दिल्ली

ड्राई फ्रूट्स और मसाले बेचने वाली कंपनी लियो ड्राई फ्रूट्स एंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड ने अपने शेयरों की जोरदार लिस्टिंग के जरिए घरेलू शेयर बाजार में एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 52 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग 30.77 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 68 रुपये के भाव पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट कर 64.60 रुपये के स्तर तक गिर गए, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इसमें दोबारा तेजी आ गई।

बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11:30 बजे लियो ड्राई फ्रूट्स एंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड के शेयर 66.90 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 28.65 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है।

लियो ड्राई फ्रूट्स एंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड का 25.12 करोड़ रुपये का आईपीओ 1 से 3 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 181.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 68.06 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 394.59 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 154.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 48.30 लाख नए शेयर जारी किए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

नवंबर 2019 से ड्राई फ्रूट्स और मसाले की ट्रेडिंग का काम कर रही इस कंपनी की वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत हुई है। कंपनी के दावे के मुताबिक 2021-22 में इसका शुद्ध मुनाफा 7.90 लाख रुपये था।

केंद्र ने एआई-संचालित 5-जी आरएएन प्लेटफॉर्म विकसित करने एआई टच के वित्त पोषण को मंजूरी दी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने एआई-संचालित 5-जी आरएएन प्लेटफॉर्म को विकसित करने के लिए एआई टच को वित्त पोषण की मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 5-जी नेटवर्क में परिचालन दक्षता लाएगी। इसमें आरएएन इंटेलिजेंट कंट्रोलर (आरआईसी), सर्विस मैनेजमेंट एंड ऑर्केस्ट्रेशन (एसएमओ) और नेटवर्क डेटा एनालिटिक्स फंक्शन (एनडब्ल्यूडीएएफ) मॉड्यूल शामिल हैं। इसके कार्यान्वयन की देख-रेख सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) करेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टच एलएलपी को 5-जी आरएएन (रेडियो एक्सेस नेटवर्क) के घटकों को विकसित करने के लिए दूरसंचार विभाग की योजना के तहत वित्त पोषण प्रदान किया गया है।

सी-डॉट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने बुधवार को इस अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद कहा कि कार्यान्वयन भागीदार के रूप में सी-डॉट यह सुनिश्चित करेगा कि परियोजना तकनीकी विकास के उच्चतम मानकों का पालन करे। वहीं, टीटीडीएफ (दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास निधि) के डीडीजी डॉ. पराग अग्रवाल ने कहा, यह परियोजना न केवल एआई-संचालित प्रगति लाएगी, बल्कि आत्मनिर्भर 5जी पारिस्थितिकी तंत्र की नींव भी रखेगी।

मंत्रालय के मुताबिक एआई टच एलएलपी को दूरसंचार विभाग की यूएसओएफ (जिसे अब डिजिटल भारत निधि के नाम से जाना जाता है) की टीटीडीएफ योजना के तहत वित्तीय अनुदान प्रदान किया गया है। एआई टच 5-जी आरएएन (रेडियो एक्सेस नेटवर्क) के लिए घटकों का विकास करेगा जिसमें आरएएन इंटेलिजेंट कंट्रोलर (आरआईसी), सर्विस मैनेजमेंट एंड ऑर्केस्ट्रेशन (एसएमओ) और नेटवर्क डेटा एनालिटिक्स फंक्शन (एनडब्ल्यूडीएएफ) मॉड्यूल शामिल हैं।

इस परियोजना से ऐसे समाधान मिलने की उम्मीद है, जो परिचालन जटिलताओं को कम करेंगे। मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटरों (एमएनओ) के लिए लागत दक्षता में सुधार करेंगे और दूरसंचार क्षेत्र में नए प्रयोगों का समर्थन करेंगे। इसका उद्देश्य स्वदेशी 5-जी इकोसिस्टम के विकास में योगदान देना और भविष्य की प्रगति के लिए आधार तैयार करना है।

छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटरों ने बेचे 1.2 लाख करोड़ के शेयर, आम निवेशकों में दहशत, निवेशकों मे सुरक्षित निकलने की होड़

मुंबई। छोटी एवं मध्यम कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। छोटी और मझोली कंपनियों के प्रमोटर और उनके छोटे निवेशक इन दिनों बिकवाली कर रहे हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में मंदी और बिकवाली का बड़ा दौर देखने को मिल रहा है। प्रमोटरों के शेयर बिकने के बाद छोटे निवेशकों में भगदड़ मच गई है। अब मुनाफे की जगह छोटे निवेशक अपने निवेश को बचाने के चक्कर में शेयर बेचकर बाहर निकलना चाहते हैं। 2023 के दिसंबर माह से सितंबर 2024 के बीच में 384 मिडकैप और स्मॉल कैप कंपनियों के प्रमोटर अपने शेयर बड़े पैमाने पर बेच चुके हैं। डीएसपी म्युचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार विचार स्मॉल कैप और मिड कैप कंपनियों के 4 प्रमोटर मे एक प्रमोटर ने अपने इक्विटी शेयरों की शुद्ध विकवाली की है। बाजार में प्रमोटरों ने अपने 1.2 लाख करोड रुपए के शेयर बेच दिए हैं। जिसके कारण शेयर बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति देखने को मिल रही है।